

विषय – गणित

सामान्य रूप से विद्यार्थी अन्य विषयों की अपेक्षा गणित को पढ़ना और लिखना कठिन मानते हैं। यदि गणित में निरन्तर अभ्यास किया जाय तो इसे सरल तथा सुगम बनाया जाता है। विद्यार्थियों हेतु गणित विषय की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण सुझाव निम्नवत् हैं—

- सर्वप्रथम गणित के पाठ्यक्रम को अपनी सुविधानुसार बचे हुये दिवसों में विभाजित कर लें, जिसमें कठिन टॉपिक के लिए ज्यादा समय निर्धारित करें।
- अध्यायवार सूत्रों की सूची बनाकर अपने अध्ययन कक्ष में चिपका लें व उन्हें कण्ठस्थ करें।
- अध्याय से सम्बन्धित सभी नियमों एवं मुख्य बिन्दुओं को एक साथ नोट कर लें जिससे परीक्षा के समय रिवीजन करने में आसानी होगी।
- गणित में जो टॉपिक्स आपको सरल लगते हैं उन्हें सबसे पहले तैयार करें जिससे उन पर आपकी पकड़ मजबूत हो सके।
- परीक्षा से पूर्व पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति एवं प्रत्येक टॉपिक से सम्बन्धित उदाहरणों एवं प्रश्नों को हल करने का निरन्तर अभ्यास अवश्य करें।
- गणित में ज्यामिति के सवालों में रचना से सम्बन्धित प्रश्नों की तैयारी करते समय तथा परीक्षा देते समय हमेशा नुकीली पेन्सिल का प्रयोग करें।
- ज्यामिति में रचना से सम्बन्धित चित्र को बिन्दु सहित बनाकर तथा रचना चरणबद्ध तरीके से लिखकर अभ्यास करें।
- त्रिकोणमिति में सर्वसमिकाओं को लिखकर याद करें।
- ऊँचाई एवं दूरी के सवालों में सम्बन्धित चित्र बनाकर हल करने का अभ्यास करें।
- गणित में जिन टॉपिक्स के लिये अधिक अंक निर्धारित है उन टॉपिक्स की पुनरावृत्ति करने पर अधिक बल दें।
- प्रश्नों को हल करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि आपने प्रश्न सही-सही उतारा है अथवा नहीं। कभी-कभी प्रश्नों में दी गयी संख्याओं को गलत लिख लेने के कारण पूरी प्रक्रिया सही होने के बाद भी उत्तर सही नहीं आता है और अंक कट जाते हैं।
- प्रश्नों को हल करने में आवश्यक सभी चरण (Steps) जरूर लिखें।
- प्रश्नों के हल को स्पष्ट करने में आवश्यक चित्रों एवं ग्राफ का प्रयोग अवश्य करें।
- परीक्षा में उत्तर पुस्तिका में दोनों तरफ के पेज पर लिखें।
- रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ पर या दाहिनी ओर मार्जिन खींच कर करें तथा उस पृष्ठ के ऊपरी भाग पर रफ कार्य अंकित करें। रफ कार्य करने के पश्चात् एक तिरछी रेखा से काट दें।